प्रकाशित समाचार

दिनांक : शुक्रवार,3 जनवरी ,2020

पृष्ठ संख्या : 02

डेली हिन्दी मिलाप
DAILY HINDI MILAP
Hyderabad

तृतीय अखिल भारतीय हिन्दी संगोष्ठी आयोजित

कोलकाता, 2 जनवरी-(मिलाप ब्यूरो) इंडियन बैंक के तत्वावधान में कोलकाता में 'भारतीय अर्थव्यवस्था में समामेलन का महत्व' विषय पर तृतीय अखिल भारतीय हिन्दी संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

सेमिनार का उद्घाटन मुख्य अतिथि गृह मंत्रालय, नई दिल्ली की राजभाषा विभाग की सचिव अनुराधा मित्रा ने किया। बैठक की अध्यक्षता इंडियन बैंक के कार्यपालक निदेशक एम.के.भट्टाचार्य द्वारा की गई। सेमिनार में बैंकिंग इंडस्ट्री के उच्च प्रबंधन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ कोलकाता के सार्वजनिक क्षेत्र एवं अन्य संगठनों के अधिकारियों ने भी भाग लिया। इंडियन बैंक जन-जन की भाषा, हिन्दी को देश के कोने-कोने तक पहुँचाने के लिए प्रतिवर्ष विभिन्न स्थानों पर इस प्रकार के सेमिनारों का आयोजन करता है।

सेमिनार में यूको बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), कोलकाता के अध्यक्ष अतुल कुमार गोयल, इलाहाबाद बैंक के कार्यपालक निदेशक पी.आर राजगोपाल, वित्तीय सेवा विभाग के संयुक्त निदेशक (राभा) शैलेश कुमार सिंह, इंडियन बैंक के महाप्रबंधक (मासंप्र/राभा) पी.सी दास, इंडियन बैंक, समप्र (राभा) डॉ.बी.पी सिंह उपस्थित थे। इसके अलावा कोलकाता विश्वविद्यालय के प्रो.अमरनाथ शर्मा एवं प्रो.राम प्रहलाद चौधरी ने भी संगोष्ठी में भाग लिया।

अनुराधा मित्रा ने अखिल भारतीय हिन्दी सेमिनार आयोजित करने के लिए इंडियन बैंक की प्रशंसा की और कहा कि ऐसे सेमिनार हिन्दी के प्रचार के लिए किए गए प्रयासों की समीक्षा करने में सहायक सिद्ध होते हैं। उन्होंने सम्मेलन के बाद इंडियन बैंक की सामान्य जनता के मध्य गहरी पैठ होने की संभावना जताते हुए कहा कि यह हिन्दी भाषा का प्रचार-प्रसार बरकरार रखेगी। उन्होंने यह भी कहा कि वाणिज्यिक गतिविधियों के साथ-साथ राजभाषा का कार्यान्वयन भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का उत्तरदायित्व है।

एम.के भट्टाचार्य ने कहा कि इंडियन बैंक ऑनलाइन सेवाओं, द्विभाषी वेबसाइट एवं बहुभाषी मोबाइल एप, इंड-पे आदि तकनीकी माध्यमों द्वारा राजभाषा का सफल कार्यान्वयन कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि इंडियन बैंक एक बहु-सांस्कृतिक संस्था है और 'ग' क्षेत्र में बहुत अच्छा निष्पादन कर रही है, जो आगे भी ग्राहक सेवा को बेहतर बनाने का प्रयास करती रहेगी। उन्होंने कहा कि बैंक हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए प्रतिबद्ध है।

पी.सी दास ने कहा कि बैंक हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए देशभर में जगह-जगह सेमिनार का आयोजन करती रहती है। बैंक द्वारा पूर्व में भोपाल एवं तिरुवनंतपुरम में अखिल भारतीय स्तर के हिन्दी संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। उन्होंने हिन्दी के कार्यान्वयन में सहायक विभिन्न शब्दकोशों के प्रकाशन के लिए राजभाषा विभाग के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि बैंकिंग में हिन्दी का हमेशा ही एक विशिष्ट स्थान एवं महत्व रहा है, सम्मेलन के बाद इसका महत्व और बढ़ जाएगा। भविष्य में बैंक, हिन्दी भाषा की सहायता से आम जनता को एक बड़े नेटवर्क तक बैंकिंग सेवाएँ उपलब्ध कराएगी। उन्होंने सभी उपस्थित अतिथियों को विश्वास दिलाया कि इंडियन बैंक देशभर में गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ प्रदान करने के लिए व्यापक पहुँच बनाने का प्रयास करेगी। कार्यक्रम में इंडियन बैंक की गृह पत्रिका 'इंड छवि' के दिसंबर, 2019 अंक एवं विभिन्न हिन्दी पत्र-पत्रिकाओं का विमोचन किया गया। इसके अलावा निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार भी वितरित किए गए। भव्य हास्य कवि सम्मेलन के साथ संगोष्ठी का समापन हुआ।

Rashtriya Sahara_Lucknow_Pg08_06.01.2020.jpg

Rastriya Sahara Daily

Download

हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए इण्डियन बैंक प्रतिबद्ध

लखनऊ। इंडियन बैंक के कार्यपालक निदेशक एम के भट्टाचार्य ने कहा कि आनलाइन सेवाओ, द्विभाषी वेबसाइट एवं बहुभाषी मोबाइल एप, इंड-पे आदि तकनीकी पहलो द्वारा राजभाषा का सफल कार्यान्वयन कर रही है। उन्होंने कहा कि बैंक हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए प्रतिबद्ध है। श्री भट्टाचार्या इंडियन बैंक के तत्वावधान में 'भारतीय अर्थव्यवस्था में समामेलन का महत्व' विषय पर तृतीय अखिल भारतीय हिन्दी सेमिनार को सम्बोधित कर रहे थे। इस सेमिनार का उद्घाटन मुख्य अतिथि सुश्री अनुराधा मित्रा, सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मत्रालय, नई दिल्ली द्वारा की गई। बैठक की अध्यक्षता इण्डियन बैंक के कार्यपालक निदेशक एम.के.भट्टाचार्य द्वारा की गई। इस सेमिनार में बैंकिंग इंडस्ट्री के उच्च प्रबंधन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ कोलकाता के सार्वजनिक क्षेत्र एवं अन्य संगठनों के अनेक अधिकारियों की उपस्थिति रही। कोलकात्ता में आयोजित इस सेमिनार में अतुल कुमार गोयल, एमडी एवं सीईओ, यूको बैंक एवं अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति(नराकास), कोलकाता, पी आर राजगोपाल, कार्यपालक निदेशक, इलाहाबाद बैंक, शैलेश कुमार सिंह, संयुक्त निदेशक (राभा), वित्तीय सेवाएं विभाग, पीसी दास, महाप्रबंधक (मासंप्रध्याभा), इंडियन बैंक एवं ड़ बी पी सिंह, समप्र (राभा), इंडियन बैंक उपस्थित रहे। कलकत्ता विश्वविद्यालय के डा.(प्रो.) अमरनाथ शर्मा एवं डा. (प्रो.) राम प्रहलाद चौधरी भी मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि सुश्री अनुराधा मित्रा ने अखिल भारतीय हिन्दी सेमिनार आयोजित करने के लिए इंडियन बैंक की प्रशंसा की और कहा कि ऐसे सेमिनार हिन्दी के प्रचार के लिए किए गए प्रयासों की समीक्षा करने में सहायक होते है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि समामेलन के बाद इंडियन बैंक की सामान्य जनता के मध्य गहरी पैठ होगी और यह हिन्दी भाषा का प्रचार-प्रसार बरकरार रखेगी। उन्होंने यह भी कहा कि वाणिज्यिक गतिविधियों के साथ-साथ राजभाषा का कार्यान्वयन भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंको का उत्तरदायित्व है। महाप्रबंधक पी सी दास ने कहा कि बैंक ने पहले भी भोपाल एवं तिरुवनंतपुरम में अखिल भारतीय स्तर के हिन्दी सेमीनारो का आयोजन किया है।

Raj Express : Bhopal

Raj Express_Bhopal_pg13_04.01.2020.jpg

इंडियन बैंक द्वारा हिन्दी सेमिनार का आयोजन

कोलकाता। इंडियन बैंक द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था में समामेलन का महत्व विषय पर कोलकाता में तृतीय अखिल भारतीय हिन्दी सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार का उद्घाटन मुख्य अतिथि अनुराधा मित्रा, सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा की गई। इस बैठक की अध्यक्षता एमके भट्टाचार्य, कार्यपालक निदेशक इंडियन बैंक द्वारा की गई। इस सेमिनार में बैंकिंग इंडस्ट्री के उच्च प्रबंधन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कोलकाता के सार्वजनिक क्षेत्र एवं अन्य संगठनों के अनेक अधिकारियों की उपस्थिति रही। इंडियन बैंक जन जन की भाषा, हिन्दी को देश के कोने-कोने तक पहुंचाने के लिए विभिन्न स्थानों पर सेमिनारों का आयोजन करता है। अतुल कुमार गोयल, एमडी एवं सीईओ, यूको बैंक एवं अध्यक्ष नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति नराकास कोलकाता, पीसी दास, महाप्रबंधक इंडियन बैंक एवं डॉ बीपी सिंह समप्र राभा इंडियन बैंक उपस्थित रहे। इस अवसर पर इंडियन बैंक की गृह पत्रिका इंड छवि के दिसंबर 2019 अंक का विमोचन किया गया।

राष्ट्रीय
सहारा
दिल्ली | लखनऊ | पटना | देहरादून | कानपुर | गोरखपुर | वाराणसी | विशेषांक
Monday, 06 January, 2020 Page No. 15

इंडियन बैंक ने सेमिनार आयोजित किया

नई दिल्ली (वि.)। इंडियन बैंक द्वारा हाल ही में कोलकाता में 'भारतीय अर्थव्यवस्था में समामेलन का महत्व' विषय पर तृतीय अखिल भारतीय हिन्दी सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार का उद्घाटन मुख्य अतिथि केंद्रीय गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग में सचिव सुश्री अनुराधा मित्रा ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंडियन बैंक के कार्यपालक निदेशक एमके भट्टाचार्य ने की। सेमिनार में बैंकिंग इंडस्ट्री के उच्च प्रबंधन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ कोलकाता के सार्वजनिक क्षेत्र एवं अन्य संगठनों के अनेक अधिकारियों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर यूको बैंक के एमडी एवं सीईओ अतुल कुमार गोयल, इलाहाबाद बैंक के कार्यपालक निदेशक पीआर राजगोपाल, वित्तीय सेवाओं के विभाग में संयुक्त निदेशक (राजभाषा) शैलेश कुमार सिंह, इंडियन बैंक में महाप्रबंधक (राजभाषा) पीसी दास व सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) वीपी सिंह एवं कलकत्ता विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अमरनाथ शर्मा व प्रोफेसर आरपी चौधरी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर इंडियन बैंक की गृह पत्रिका 'इंड छवि' के दिसम्बर, 2019 अंक एवं विभिन्न हिन्दी पत्र-पत्रिकाओं का विमोचन किया गया एवं निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार भी वितरित किए गए। भव्य हास्य कवि सम्मेलन के साथ इस सेमिनार का समापन हुआ।

Prabhat Khabar_Kolkata_Pg 7 3.1.20.jpg

इंडियन बैंक का भारतीय अर्थव्यवस्था पर सेमिनार

कोलकाता. इंडियन बैंक की ओर से हाल ही में 'भारतीय अर्थव्यवस्था में समामेलन का महत्व' विषय पर कोलकाता में तृतीय अखिल भारतीय हिंदी सेमिनार का आयोजन किया गया. इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि अनुराधा मित्रा, सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, नयी दिल्ली ने किया. इसकी अध्यक्षता एमके भट्टाचार्य, कार्यपालक निदेशक, इंडियन बैंक ने की. सेमिनार में बैंकिंग इंडस्ट्री के उच्च प्रबंधन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ कोलकाता के सार्वजनिक क्षेत्र एवं अन्य संगठनों के अनेक अधिकारी उपस्थित रहे. सेमिनार में अतुल कुमार गोयल, एमडी व सीइओ, यूको बैंक एवं अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति(नराकास), कोलकाता, पीआर राजगोपाल, कार्यपालक निदेशक, इलाहाबाद बैंक, शैलेश कुमार सिंह, संयुक्त निदेशक (राभा), वित्तीय सेवा विभाग, पीसी दास, महाप्रबंधक(मासंप्र/राभा), इंडियन बैंक एवं डॉ बीपी सिंह, सम्प्र(राभा), इंडियन बैंक उपस्थित रहे. कलकत्ता विश्वविद्यालय के डॉ प्रो. अमरनाथ शर्मा एवं डॉ प्रो. राम प्रह्लाद चौधरी भी सेमिनार में उपस्थित हुए. मुख्य अतिथि अनुराधा मित्रा ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे सेमिनार हिंदी के प्रचार के लिए किये गये प्रयासों की समीक्षा करने में सहायक होते हैं.

Nav Bharat_Bhopal_Pg 8 3.1.20.jpg

भारतीय अर्थव्यवस्था में समामेलन का महत्व पर सेमिनार

कोलकाता. 2 जनवरी. इंडियन बैंक द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था में समामेलन का महत्व विषय पर कोलकाता में तृतीय अखिल भारतीय हिन्दी सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार का उदघाटन मुख्य अतिथि सुश्री अनुराधा मित्रा, सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा की गई। इस बैठक की अध्यक्षता एम के भट्टाचार्य, कार्यपालक निदेशक, इंडियन बैंक द्वारा की गई। इस सेमिनार में बैंकिंग इंडस्ट्री के उच्च प्रबंधन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ कोलकाता के सार्वजनिक क्षेत्र एवं अन्य संगठनों के अनेक अधिकारियों की उपस्थिति रही।

इंडियन बैंक जन जन की भाषा, हिन्दी को देश के कोने-कोने तक पहुँचाने के लिए प्रतिवर्ष विभिन्न स्थानों पर इस प्रकार के सेमिनारों का आयोजन करता है। इस सेमिनार में अतुल कुमार गोयल, एमडी एवं सीईओ, यूको बैंक एवं अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति(नराकास), कोलकाता, पी आर राजगोपाल, कार्यपालक निदेशक, इलाहाबाद बैंक, शैलेश कुमार सिंह, संयुक्त निदेशक (राभा), वित्तीय सेवाएँ विभाग, पी सी दाश, महाप्रबंधक(मासंप्र/राभा), इंडियन बैंक एवं डॉ. वी पी सिंह, समप्र(राभा), इंडियन बैंक उपस्थित रहे। कलकत्ता विश्वविद्यालय के डॉ.(प्रो.) अमरनाथ शर्मा एवं डॉ.(प्रो.) राम प्रहलाद चौधरी ने भी इस सेमिनार की शोभा बढ़ाई।

मुख्य अतिथि, सुश्री अनुराधा मित्रा ने अपने सम्बोधन में, अखिल भारतीय हिन्दी सेमिनार आयोजित करने के लिए इंडियन बैंक की प्रशंसा की और कहा कि ऐसे सेमिनार हिन्दी के प्रचार के लिए किए गए प्रयासों की समीक्षा करने में सहायक होते हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि समामेलन के बाद इंडियन बैंक की सामान्य जनता के मध्य गहरी पैठ होगी और यह हिन्दी भाषा का प्रचार-प्रसार बरकरार रखेगी। उन्होंने यह भी कहा कि वाणिज्यिक गतिविधियों के साथ-साथ राजभाषा का कार्यान्वयन भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का उत्तरदायित्व है।

एम के भट्टाचार्य, कार्यपालक निदेशक, इंडियन बैंक के अपने सम्बोधन में कहा कि इंडियन बैंक ऑनलाइन सेवाओं, द्विभाषी वेबसाइट एवं बहुभाषी मोबाइल एप, इंड-पे आदि तकनीकी पहलों द्वारा राजभाषा का सफल कार्यान्वयन कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि इंडियन बैंक एक बहु सांस्कृतिक संस्था है और 'ग' क्षेत्र में बहुत अच्छा निष्पादन कर रही है और आगे भी ग्राहक सेवा को बेहतर बनाने के प्रयास करती रहेगी। उन्होंने कहा कि बैंक हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए प्रतिबद्ध है। पी सी दाश, महाप्रबंधक(मासंप्र/राभा), इंडियन बैंक ने कहा कि बैंक हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए देशभर में जगह-जगह सेमिनार का आयोजन करती है। उन्होंने बताया कि बैंक ने पहले भी भोपाल एवं तिरुवनंतपुरम में अखिल भारतीय स्तर के हिन्दी सेमीनारों का आयोजन किया है। उन्होंने हिन्दी के कार्यान्वयन में सहायक विभिन्न शब्दकोशों के प्रकाशन के लिए राजभाषा विभाग के प्रति आभार प्रकट किया।

कैपिटल ज़ोन

हिंदी के प्रचार के लिए इंडियन बैंक की ओर से सेमिनार का आयोजन

नई दिल्ली, 1 जनवरी (देशबन्धु)। इंडियन बैंक की ओर से हिंदी के प्रचार—प्रसार के लिए लगातार सेमिनार और अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है।

इसी क्रम में भारतीय अर्थव्यवस्था में समामेलन का महत्व विषय पर कोलकाता में तृतीय अखिल भारतीय हिन्दी सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार का उद्घाटन मुख्य अतिथि अनुराधा मित्रा, सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एम के भट्टाचार्य, कार्यपालक निदेशक, इंडियन बैंक द्वारा की गई। इस सेमिनार में बैंकिंग इंडस्ट्री के उच्च प्रबंधन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ कोलकाता के सार्वजनिक क्षेत्र एवं अन्य संगठनों के अनेक अधिकारियों की उपस्थिति रही। सेमिनार में अतुल कुमार गोयल, एमडी एवं सीईओ, यूको बैंक एवं अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति(नराकास), कोलकाता, पी आर राजगोपाल, कार्यपालक निदेशक, इलाहाबाद बैंक आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

Matrubhumi

02.01.2020

ഇന്ത്യൻ ബാങ്ക് സംഘടിപ്പിച്ച അഖിലേന്ത്യ ഹിന്ദി സെമിനാറിൽ ഇന്ത്യൻ ബാങ്ക് എക്സിക്യൂട്ടീവ് ഡയറക്ടർ എം.കെ. ജോസഫ് പ്രസംഗിക്കുന്നു. കേന്ദ്ര ആഭ്യന്തര മന്ത്രാലയത്തിനു കീഴിലുള്ള ഔദ്യോഗിക ഭാഷാ വകുപ്പ് സെക്രട്ടറി അനുരാധ മിത്ര, യുക്കോ ബാങ്ക് മാനേജിങ് ഡയറക്ടറും സി.ഇ.ഒയുമായ കുമാർ ഗോയൽ തുടങ്ങിയവർ സമീപം

The Echo of India Kolkata
Thursday-January 9, 2020

"Importance of Amalgamation of Banks in Indian Economy"

Indian Bank organises All India Hindi Seminar

EOI CORRESPONDENT

KOLKATA, JAN 8/--/"Importance of Amalgamation of Banks in Indian Economy" was the theme of recently organised the third All India Hindi Seminar 2019 in Kolkata. Ms Anuradha Mitra, Secretary, Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, New Delhi inaugurated the seminar as chief guest which was presided over by Shri M K Bhattacharya, Executive Director of Indian Bank. The seminar was attended by top management and the senior executives of the banking industry apart from many officials of public sector and other organisations from Kolkata. Indian Bank with the objective of taking Hindi to the nook and the corner of the nation is organising such Hindi seminars at various locations every year, making it 'jan-jan ki bhasha' (Common man's language).

The seminar was attended by the top management of the Banking industry Atul Kumar Goyal, MD & CEO, UCO Bank and Chairman, Town Official Language Implementation Committee (TOLIC) Banks, Kolkata, P R Rajgopal, Executive Director, Allahabad Bank, Shailesh Kumar, Joint Director (OL), Department of Financial Services, P C Dash, General Manager (HRM/ OL), Indian Bank and Dr B P Singh, AGM (OL), Indian Bank, Dr (Prof.) Amarnath Sharma and Dr (Prof.) Ram Prahlad Choudhary of Calcutta University were also present to grace the seminar.

Chief Guest Anuradha Mitra, in her address, praised Indian Bank for organising the All India Hindi Seminar and said that such seminars help in reviewing the efforts made on promoting the Official Language. She hoped that after amalgamation the bank will have deep penetration to the general public and it will continue spreading Hindi language. She also said that Public Sector Banks have larger responsibility to implement the use of Official language apart from commercial activities.

M K Bhattacharya, Executive Director, Indian bank in his address said that the bank is successfully implementing Hindi with the banking technological initiatives by offering online services, Bilingual website and multilingual mobile app, IND PAY. He further added that Indian Bank is a multi-culture organisation and performing very well in 'C' region and will continue to put efforts in increasing the customer experience. He said that Bank is committed to propagate Hindi.

P C Dash, General Manager (HRM/ OL) Indian Bank said that the bank is organising the seminar in various parts of India to propagate the use of Hindi. He said that earlier the bank has organised national level Hindi seminars at Bhopal and Thiruvanthapuram. He thanked the Department of Official Language for introducing various glossaries which has helped in implementation of Hindi. He also said that Hindi always had a special place in banking and its importance will reach greater heights after the amalgamation. With the help of Hindi language, the Bank will reach to a larger network for the best banking services to the common man in future. He assured the gathering that Indian Bank will continue to strive for the wider reach in offering quality services to the nation. Indian Bank house journal, IND Chhavi, December 2019 and various Hindi magazines were released on this occasion. Also, the winners of the Essay writing competition were given prizes and awards. The seminar concluded with the Hasya Kavi Sammelan. (Piks: Arijit Ganguly)

The MORNING STANDARD
BUSINESS
12 NEW DELHI WEDNESDAY 08.01.2020

Indian Bank organises seminar on amalgamation of banks

Indian Bank has organised a seminar on 'Importance of amalgamation of banks in the Indian economy'. This was the third All India Hindi seminar organised by the bank in Kolkata. Anuradha Mitra, secretary, department of official language, Ministry of Home Affairs, inaugurated the seminar as the chief guest which was presided over by MK Bhattacharya, executive director, Indian Bank. The seminar was attended by top management and senior executives of the banking industry.

Business Standard CHENNAI | THURSDAY, 2 JANUARY 2020

Commercial Feature

Indian Bank organises All India Hindi Seminar on 'Importance of Amalgamation of Banks in Indian Economy'

"Importance of Amalgamation of Banks in Indian Economy" was the theme of recently organised the third All India Hindi Seminar 2019 in Kolkata. Anuradha Mitra, Secretary, Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, New Delhi inaugurated the seminar as chief guest which was presided over by M K Bhattacharya, Executive Director of Indian Bank. The seminar was attended by top management and the senior executives of the banking industry apart from many officials of

public sector and other organisations from Kolkata. Indian Bank with the objective of taking Hindi to the nook and the corner of the nation is organising such Hindi seminars at various locations every year, making it 'jan-jan ki bhasha' (Common man's language). The seminar was attended by the top management of the Banking industry Atul Kumar Goyal, MD & CEO, UCO Bank and Chairman, Town Official Language Implementation Committee(TOLIC) Banks, Kolkata, P R Rajgopal, Executive Director, Allahabad Bank, Shailesh Kumar, Joint Director (OL), Department of Financial Services, P C Dash, General Manager (HRM/ OL), Indian Bank and Dr B P Singh, AGM (OL), Indian Bank. Dr. (Prof.) Amarnath Sharma and Dr. (Prof.) Ram Prahlad Choudhary of Calcutta University were also present to grace the seminar.